समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 08 September 2026

फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल मे स्पेन से हार के बाद लियोनेल मेसी का सपना टूटा, अर्जेंटीना के आक्रामक खेल पर भी उठे सवाल

Sanket Morankar Published on 20 Jul 2026

फीफा वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में स्पेन के हाथों मिली हार ने अर्जेंटीना और उसके महान खिलाड़ी **लियोनेल मेसी** का दूसरा विश्व कप जीतने का सपना अधूरा छोड़ दिया। अतिरिक्त समय (एक्स्ट्रा टाइम) में **फेरान टोरेस** के निर्णायक गोल की बदौलत स्पेन ने 1-0 से जीत दर्ज कर विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया।

फाइनल मुकाबले के बाद मेसी बेहद भावुक नजर आए। मैच समाप्त होने की सीटी बजते ही वे मैदान पर निराश दिखाई दिए। माना जा रहा है कि यह उनके करियर का अंतिम फीफा विश्व कप मुकाबला हो सकता है, ऐसे में यह हार उनके लिए बेहद दर्दनाक साबित हुई।

हालांकि मैच के बाद चर्चा केवल हार तक सीमित नहीं रही। अर्जेंटीना की टीम के आक्रामक रवैये और पूरे टूर्नामेंट के दौरान विवादों से जुड़े प्रदर्शन ने भी फुटबॉल जगत का ध्यान आकर्षित किया। मैच समाप्त होने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ी **लिएंड्रो परेडेस** और स्पेन के **एरिक गार्सिया** के बीच तीखी झड़प देखने को मिली, जिसके बाद परेडेस को रेड कार्ड दिखाया गया।

पूरे टूर्नामेंट में अर्जेंटीना कई विवादों के कारण चर्चा में रहा। विभिन्न मुकाबलों में रेफरिंग फैसलों को लेकर बहस हुई, जबकि कुछ मैचों में टीम की आक्रामक खेल शैली की भी आलोचना की गई। फाइनल में भी अर्जेंटीना लगातार दबाव में दिखाई दिया और स्पेन के कब्जे वाले खेल (पजेशन फुटबॉल) के सामने प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर सका।

स्पेन ने पूरे मुकाबले में गेंद पर शानदार नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए। अर्जेंटीना नियमित समय (90 मिनट) में एक भी प्रभावी शॉट लक्ष्य की ओर दर्ज नहीं कर सका, जो विश्व कप फाइनल के इतिहास में एक दुर्लभ स्थिति मानी जा रही है।

रक्षात्मक दबाव बढ़ने के साथ अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने शारीरिक खेल का सहारा लिया। टीम ने कई कड़े टैकल किए, जिसके चलते खिलाड़ियों को चार पीले कार्ड मिले, जबकि **एंजो फर्नांडीज** को दूसरे पीले कार्ड के बाद मैदान छोड़ना पड़ा।

दूसरी ओर स्पेन ने पूरे मैच में संयम और रणनीतिक खेल का प्रदर्शन किया। निको विलियम्स का एक गोल ऑफसाइड के कारण रद्द हुआ, लेकिन अतिरिक्त समय में फेरान टोरेस ने गोल कर स्पेन को विश्व चैंपियन बना दिया।

लियोनेल मेसी ने पूरे मैच में कुछ अच्छे मूव बनाने का प्रयास किया और कुछ खतरनाक क्रॉस भी दिए, लेकिन वे टीम को गोल दिलाने में सफल नहीं हो सके। स्पेन की मजबूत रक्षापंक्ति ने उन्हें खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया।

इस हार के साथ मेसी का एक और विश्व कप जीतने का सपना अधूरा रह गया। फुटबॉल प्रेमियों के लिए यह भावनात्मक क्षण रहा, क्योंकि मेसी को विश्व फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में गिना जाता है और उनके करियर का यह संभवतः अंतिम विश्व कप माना जा रहा है।

अब अर्जेंटीना के सामने सबसे बड़ी चुनौती मेसी के बाद टीम का नया नेतृत्व और नई पहचान तैयार करने की होगी। मुख्य कोच **लियोनेल स्कालोनी** को युवा खिलाड़ियों के साथ भविष्य की मजबूत टीम तैयार करनी होगी।

स्पेन की इस ऐतिहासिक जीत ने जहां उसे विश्व फुटबॉल के शिखर पर पहुंचा दिया, वहीं अर्जेंटीना के लिए यह आत्ममंथन का अवसर बन गया है। मेसी की शानदार विरासत हमेशा फुटबॉल इतिहास में याद रखी जाएगी, लेकिन विश्व कप 2026 का फाइनल उनके लिए एक भावुक और अधूरे सपने की कहानी बनकर रह गया।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.